नमामि गंगे स्मारिका

संरक्षक
डॉ0 संगीता गुप्ता

प्रधान सम्पादक
डॉ0 अर्चना त्रिपाठी

सम्पादक मण्डल
डॉ0 सुमन पाण्डेय्
डॉ0 तौफ़ीक़ अहमद
डॉ0 रवि सनवाल
डॉ0 कमलेश शक्टा
डॉ0 विद्या कुमारी

मुद्रक – इथोस सर्विसेज, हल्द्वानी

शुभ संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट (जि0 चम्पावत) द्वारा नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत चलाये गए स्वच्छता एवं जन–जागरूकता के कार्यों का संकलन हेतु नमामि गंगे पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उक्त पुस्तिका का प्रकाशन अपने उद्देश्य में सफल हो।

महाविद्यालय की प्राचार्य, संपादक मंडल एवं नमामि गंगे समिति को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(प्रो0 पी0के0 पाठक)
निदेशक, उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड
हल्द्वानी

शुभकामना सन्देश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट द्वारा दिनांक 12 मार्च 2021 से 18 अगस्त 2021 के मध्य नमामि गंगे के अन्तर्गत विविध कार्यक्रमों को अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, और जनजागरूकता के कई कार्यक्रम इस दौरान आयोजित किये गये। लोहावती नदी को बचाने के लिए आपके प्रयास प्रशंसनीय हैं। आशा करता हूँ कि भविष्य में भी इस तरह के जनजागरूकता के कार्य आपके द्वारा किये जाते रहेंगे।

इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन आपके द्वारा किया जा रहा है जिसमें महाविद्यालय परिवार द्वारा विगत छः माह में किये गये स्वच्छता अभियान, नुक्कड़ नाटक, प्रतियोगिता एवं संगोष्ठियों का विशद वर्णन है। महाविद्यालय का चहुँमुखी विकास निरन्तर होता रहे।

शुभकामनाओं के साथ,

(विनीत तोमर)
जिलाधिकारी चम्पावत

जिलाधिकारी
चम्पावत

शुभ संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट द्वारा 'नमामि गंगे पुस्तिका' का प्रकाशन किया जा रहा है। भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना 'नमामि गंगे मिशन' के अंतर्गत महाविद्यालय द्वारा किये गये स्वच्छता एवं जागरूकता संबन्धी कार्यों का संकलन बुकलेट में किया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नमामि गंगे पुस्तिका का प्रकाशन किये गए कार्यों की झलक दिखाकर प्रेरित करने में सफल होगी।

पुस्तिका के प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए महाविद्यालय परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(पूरन सिंह फर्त्याल)
विधायक लोहाघाट

शुभ संदेश

यह जानकर बहुत हर्ष हुआ कि स्वामी विवेकानंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट द्वारा नमामि गंगे पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पुस्तिका में महाविद्यालय द्वारा किये गये जन जागरूकता एवं स्वच्छता कार्यक्रम का वर्णन होगा। इस पुस्तिका के प्रकाशन हेतु मैं अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ तथा भविष्य में ऐसी गतिविधियाँ निरंतर जारी रखने के लिए अपील करता हूँ। महाविद्यालय के चहुँमुखी विकास हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ।

शुभेच्छु

(गोविंद वर्मा)

अध्यक्ष

नगर पंचायत लोहाघाट

आभार

'औषधंजाह्नवीतोयं' (देव वैद्य धनवन्तरि द्वारा) एवं 'हिमवत्प्रवाः पथ्याः' (ऋषि चरक द्वारा) कही गयी महान सभ्यताओं की जननी पवित्र पावन सलिला गंगा आज मनुष्य के अमर्यादित एवं अवांछित व्यवहार से इतनी अधिक प्रदूषित हो गयी है कि स्वयं उसके अस्तित्व को खतरा बन गयी है। इन परिस्थितियों में केन्द्र व राज्य सरकारों को धन्यवाद है, जिन्होंने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत् 'नमामि गंगे' परियोजना के अन्तर्गत गंगा नदी की जल–धारा को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। न केवल गंगा नदी, बल्कि अन्य नदियों, झीलों, तालाब, जलाशयों, पोखरों, जलस्रोतों की स्वच्छता व पुर्नजीवित करने की प्रतिज्ञा ली है। उक्त प्रतिज्ञा को पूर्ण करने हेतु नमामि गंगे कार्यक्रम को एक जनआन्दोलन बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सर्वप्रथम मैं स्वास्थ्य, सहकारी एवं उच्च शिक्षा मंत्री मा. डॉ. धनसिंह रावत जी के प्रति कृतज्ञतापूर्ण आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने महाविद्यालयों के माध्यम से भारत की युवा जनशक्ति को नमामि गंगे प्रोजेक्ट के साथ जोड़ा।

राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा लोहाघाट क्षेत्र (जिला चम्पावत) में गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु जनमानस को जागरूकता एवं संवेदीकृत किये जाने के लिए विभिन्न सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई0ई0सी0) गतिविधियों के आयोजन के लिए नोडल संस्था के रूप में स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट को दायित्व सौंपा गया था। मैं श्री उदय राज सिंह जी, अपर सचिव पेयजल/कार्यक्रम निदेशक राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे उत्तराखण्ड क हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने इस कार्य के लिए मुझ में व मेरे कॉलेज के प्रति भरोसा व विश्वास जताया। मैं डा0 पी0के0 पाठक जी, निदेशक उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड के प्रति अपना धन्यवाद व आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने समय–समय पर मुझे प्रोत्साहित किया। मैं श्री विनीत तोमर जी, जिलाधिकारी चम्पावत के प्रति भी आभारी हूँ, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपना संदेश प्रदान कर हमारा उत्साहवर्द्धन किया। मैं लोहाघाट क्षेत्र के विधायक श्री पूरन सिंह फर्त्याल जी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुषमा फर्त्याल जी के प्रति भी उत्साहवर्द्धन हेतु अपना धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। मैं धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ जन संचार विशेषज्ञ, राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे उत्तराखण्ड, श्री पूरन कापड़ी जी को, जिनसे समय–समय पर अतुलनीय सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मैं नगर के सभी गणमान्य व संभ्रान्त नागरिकों को भी उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। महाविद्यालय नमामि गंगे टीम में सम्मिलित सभी प्राध्यापकों व छात्र–छात्राओं को भी धन्यवाद देती हूँ , जिनके सहयोग से ही यह पावन–पुनीत कार्य सम्पन्न हो पाया है और भविष्य में भी सम्पन्न हो सकेगा।

सादर,

S Gupta

(डा0 संगीता गुप्ता)
प्राचार्य
स्वा0वि0रा0स्ना0महा0, लोहाघाट (चम्पावत)

अत्यंत हर्ष हो रहा है कि नमामि गंगे प्रोजेक्ट के अंतर्गत गांवों एवं शहर के विभिन्न स्थानों में जागरुकता एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें महाविद्यालय परिवार, महाविद्यालय एवं विद्यालय के छात्र–छात्राओं तथा नगर–गांव की संभ्रांत जनता ने सहयोग दिया।

इस अभियान में प्राचार्य तथा नमामि गंगे समिति डॉ. तौफ़ीक़ अहमद, डॉ. कमलेश शक्टा, डॉ. अर्चना त्रिपाठी, डॉ. रवि सनवाल, डॉ. विद्या कुमारी का अतुलनीय सहयोग व योगदान रहा। इस प्रोजेक्ट में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व कर्मचारियों का सहयोग रहा। मैं सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ

डॉ0 सुमन पाण्डेय
नोडल अधिकारी नमामि गंगे

डॉ० संगीता गुप्ता
(संरक्षक/प्राचार्य)

डॉ० सुमन पाण्डेय्
(नोडल)

डॉ० अर्चना त्रिपाठी
(सदस्य)

डॉ० विद्या कुमारी
(सदस्य)

डॉ० कमलेश शक्टा
(सदस्य)

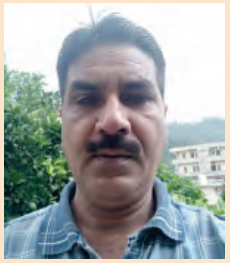

डॉ० तौफ़ीक़ अहमद
(सदस्य)

डॉ० रवि सनवाल
(सदस्य)

पहला कदम...

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे, उत्तराखण्ड द्वारा राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, संरक्षण, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, सामाजिक महत्व एवं इसकी भौगोलिक तथा जैव विविधता के प्रति जागरूकता एवं संवेदीकरण के दृष्टिगत सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई0ई0सी0) गतिविधियों के अन्तर्गत नोडल संस्था राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट द्वारा दिनांक 03 मार्च 2021 को प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता की अध्यक्षता में नमामि गंगे समिति का गठन किया गया एवं भावी कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया गया। लोहाघाट क्षेत्र की स्थानीय नदी लोहावती एवं नाले–धारों को प्रदूषण मुक्त एवं पुनर्जीवित करना एक जटिल कार्य है जिसको सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने के लिए समुदाय स्तर के प्रयासों एवं भागीदारी की आवश्यकता है। इसी क्रम में दिनांक 08 मार्च 2021 तथा 10 मार्च 2021 को नगर के प्रशासक वर्ग से उपजिलाधिकारी श्री आर0सी0गौतम, ई0ओ0 श्री कमल कुमार, जनप्रतिनिधि नगर पंचायत अध्यक्ष श्री गोविन्द वर्मा, ग्राम प्रधान श्री जितेन्द्र राय, पूर्व सदस्य जिला पंचायत श्री सचिन जोशी, शिक्षाविद् वर्ग से प्रधानाचार्य श्रीमती रेखा बोहरा (महर्षि विद्या मन्दिर, लोहाघाट), श्रीमती कल्पना साह, श्री बृजेश जायसवाल व श्री देवेन्द्र कुमार मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार श्री गणेश पाण्डेय, सामाजिक कार्यकर्ता श्री सतीश पाण्डेय, श्री राजेन्द्र गहतोड़ी आदि के मध्य लोहावती नदी एवं अन्य नौलों व धारों की समस्याओं एवं उनके संभावित उपायों पर विचार–विमर्श किया गया। नदी एवं गधेरों की स्वच्छता हेतु एक व्यापक कार्य योजना बनाई गई। कार्यक्रम की संरक्षक प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता एवं नमामि गंगे समिति द्वारा कार्यक्रम की सफलता हेतु प्रतिबद्धता दिखाई गई एवं महाविद्यालय व विद्यालय के छात्र–छात्राओं तथा समाज को जोड़ते हुए इसे जन आन्दोलन बनाने पर जोर दिया गया। प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता द्वारा विश्वास व्यक्त किया गया कि नमामि गंगे कार्यक्रम की सफलता सामूहिक प्रयास से ही संभव है।

स्लोगन
लेखन प्रतियोगिता

किसी भी मिशन की सफलता में नारों (स्लोगन) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्लोगन–लेखन द्वारा छात्र–छात्राओं के मध्य रचनात्मकता का विकास किया जा सकता है। साथ ही सुन्दर एवं प्रभावी नारे जुबान पर चढ़कर ह्रदय पटल पर गहरा प्रभाव डालते हैं। दिनांक 12 मार्च 2021 को स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तर के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्र–छात्राओं द्वारा नदियों की स्वच्छता हेतु सुन्दर नारे लिखे गये जिन्हें तख्तियों पर भी चिपकाया गया।प्रतियोगिता से महाविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान छाया पंत (बी0काम प्रथम सेमेस्टर),द्वितीय स्थान दीपशिखा राय (बी0एस0सी0 तृतीय सेमेस्टर) तथा तृतीय स्थान ऋतु खर्कवाल (बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर) ने प्राप्त किया। वहीं दूसरी ओर विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान हिमानी गड़कोटी (कक्षा–आठ), द्वितीय स्थान अंकिता बिष्ट (कक्षा–आठ) व मानसी जोशी (कक्षा–आठ) तथा तृतीय स्थान आरूषी सिंह (कक्षा–आठ) ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के परिणाम हेतु निर्णायक की भूमिका में डा0 स्वाति मेलकानी (असि0प्रो0 शिक्षाशास्त्र), डा0 नम्रता देयाल (असि0प्रो0 भौतिक विज्ञान) एवं डा0 शिवानी कर्नाटक (प्रवक्ता हिन्दी), रहीं।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 12 मार्च 2021 को स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

हस्ताक्षर अभियान

जीवनदायिनी नदियाँ खतरनाक स्तर तक प्रदूषित हो चुकी हैं। भारतवर्ष की कई नदियों का पानी इतना अधिक प्रदूषित हो चुका है कि वह पीने योग्य ही नहीं, अपितु पेड़–पौधों को सींचने योग्य भी नहीं रहा है। यह गंभीर स्थिति है और इस स्थिति के लिए अप्रत्यक्ष रूप से हम सब ही उत्तरदायी हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति गंगा एवं अन्य नदियों की स्वच्छता हेतु दृढ़ संकल्प ले लें तो नदियाँ फिर से प्रदूषण मुक्त होकर अविरल एवं शुद्ध हो जायेंगी। नदियों की स्वच्छता हेतु आम जनमानस की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय द्वारा दिनांक 13 मार्च 2021 से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। महाविद्यालय के परिसर में आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्राध्यापक गण, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने प्रसन्नता एवं उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। यह निश्चित किया गया कि नगर एवं आस–पास के क्षेत्रों में आम जनमानस को जोड़ते हुए वृहद् स्तर पर हस्ताक्षर अभियान जारी रखा जायेगा।

हस्ताक्षर अभियान

नदियों की स्वच्छता हेतु आम जनमानस की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय द्वारा दिनांक 13 मार्च 2021 से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

जनजागरण के साथ नुक्कड़ नाटक

प्राचीनकाल से सामाजिक परिस्थितियों से उपजे विषयों को नुक्कड़ नाटकों द्वारा उठाया जाता रहा है। आधुनिक काल में संचार–माध्यमों में तकनीकी विकास के बावजूद नुक्कड़ नाटकों का महत्व कम नहीं हुआ है। अपनी सरल, विशिष्ट एवं प्रभावी शैली के कारण आज भी नुक्कड़ नाटक मन को छूते हैं और मनोरंजक तरीके से एक गंभीर संदेश दे जाते हैं। महाविद्यालय द्वारा चलाये गये नमामि गंगे स्वच्छता मिशन में नुक्कड़ नाटकों का भी प्रदर्शन किया गया। इसकी पहल दिनांक 15 मार्च 2021 को महाविद्यालय परिसर से ही हुई जहां महाविद्यालय एवं स्थानीय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन कर यह संदेश दिया कि हम जाने–अनजाने किस प्रकार अपनी जीवनदायिनी नदियों को प्रदूषित कर रहें हैं और किस प्रकार हमें नदियों एवं नौलों–धारों की शुद्धता तथा स्वच्छता बनाये रखने हेतु जागरूकता करनी चाहिए।

चित्र बोलते हैं

पोस्टर प्रतियोगिता

चित्रों द्वारा प्रदर्षित दृश्य बहुधा व्यक्ति विशेष के मानस का दर्शन करा देते हैं। चित्रों या पोस्टरों द्वारा व्यक्ति अपनी कल्पना को मूर्त रूप दे सकता है। नमामि गंगे, गंगा/नदियों की स्वच्छता तथा नमामि गंगे बढ़ते प्रदूषण को लेकर छात्र–छात्राऐं क्या सोचते हैं और उनकी कल्पना के पंख कहां तक उड़ान भर सकते हैं, इस विचार को आधार बनाकर दिनांक 15 मार्च 2021 को महाविद्यालय परिसर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'बिन पानी सब सून' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता करवाई गई। इस प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने नदियों में हो रहे प्रदूषण एवं शुद्ध अविरल नदियों के सुन्दर चित्र अपनी तूलिका से कागज पर उकेरे /प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रतिभाग करने वाले छात्र–छात्राओं को विद्यालयी स्तर पर जूनियर एवं सीनियर वर्गों में बाँटा गया। जूनियर वर्ग में कक्षा 8 तक के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इस वर्ग में प्रथम स्थान पर मानसी जोशी (डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, लोहाघाट), द्वितीय स्थान पर हिमानी गड़कोटी (डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल, लोहाघाट) तथा तृतीय स्थान अमेय त्रिपाठी (गुरुकुलम एकेडमी, लोहाघाट) ने प्राप्त किया। वहीं कक्षा 9 से 12 तक सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर दीक्षा राय (जी.जी.आई.सी., लोहाघाट), द्वितीय स्थान पर हिमानी राय (जी.जी.आई.सी., लोहाघाट) तथा तृतीय स्थान पर खुशी चौरसिया (जी.जी.आई.सी., लोहाघाट) रहे।

महाविद्यालय स्तर पर भी पोस्टर प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं द्वारा बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया गया। इस श्रेणी में मीनाक्षी गोस्वामी (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, भूगोल) ने प्रथम स्थान, ऋतिक टम्टा (बी.ए.तृतीय सेमेस्टर) ने द्वितीय स्थान तथा भावना त्रिपाठी (एम.ए.तृतीय सेमेस्टर, गृहविज्ञान) एवं पूजा राय (एम. कॉम. तृतीय सेमेस्टर) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर बाजी मारी।

पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ0 स्वाति मेलकानी (असि0 प्रो0 शिक्षाशास्त्र), डॉ0 प्रकाश लखेडा (असि0 प्रो0 राजनीतिशास्त्र), डॉ0 पुष्पा (असि0 प्रो0 भूगोल) तथा डॉ0 शिवानी कर्नाटक (प्रवक्ता हिन्दी) सम्मिलित रहे। निर्णायक मण्डल के सदस्यों ने छात्र–छात्राओं द्वारा किये गये प्रयासों की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

पोस्टर प्रतियोगिता

जनसंपर्क... जनजागरूकता... जनसहभागिता...

यह कटु सत्य है कि जीवनदायिनी नदियां खतरनाक स्तर तक प्रदूषित हो चुकी हैं। नदियों को प्रदूषण–मुक्त करने के प्रयास सामूहिक स्तर पर ही किये जाने होंगे क्योंकि बिना सामूहिक प्रयासों के नदियों एवं नौले–गधेरों को स्वच्छ करना संभव नहीं है। जनसंपर्क, जन–जागरूक एवं जन–सहभागिता हेतु दिनांक 16 मार्च 2021 को महाविद्यालय की नमामि गंगे टीम एवं प्राध्यापकगण छात्र–छात्राओं के साथ फोर्ती ग्राम में पहुंचे। ग्राम पहुंचने पर महिला मंगल दल की अध्यक्ष श्रीमती शोभा पुनेठा तथा ग्राम प्रधान श्रीमती विमला पुनेठा ने नमामि गंगे दल का स्वागत किया। ग्रामवासियों के मध्य राजकीय विद्यालय लोहाघाट तथा महाविद्यालय की छात्र–छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक द्वारा जन जागरूकता की गयी। इस अवसर पर नमामि गंगे, नोडल डा0 सुमन पाण्डेय् (असि0प्रो0 भूगोल) ने ग्रामवासियों को संबोधित किया और जल–स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। ग्रामवासियों ने गंगा–संरक्षण हेतु चलाये जा रहे कार्यों की सराहना की तथा जल–संरक्षण व स्वच्छता हेतु हस्ताक्षर भी किये। ग्रामीणों को नमामि गंगे टी–शर्ट व कैप वितरित की गई।

जनसंपर्क...

जनजागरूकता...

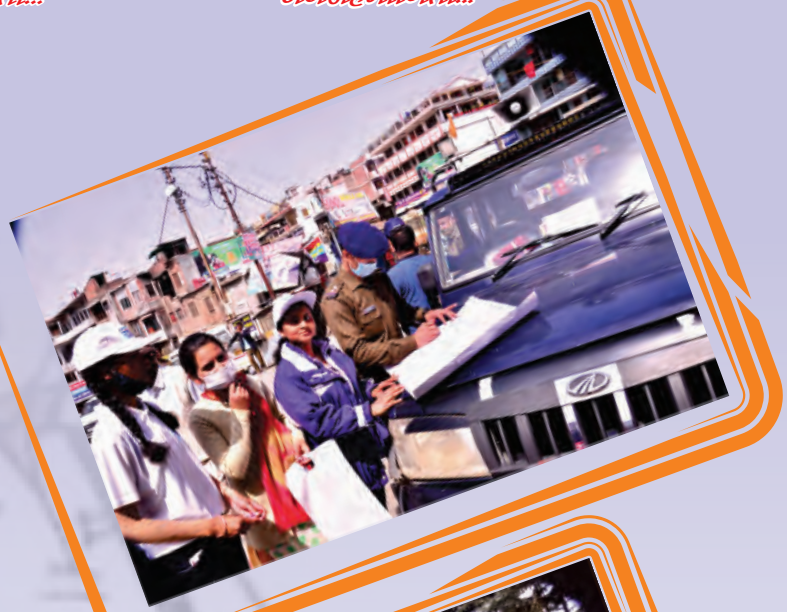

जनसहभागिता...

Forti, Uttarakhand, India
Unnamed Road, Uttarakhand 262
Lat N 29° 23' 20.886"
Long E 80° 4' 25.5972"

9
Raikot Mahar, Uttarakhand, Indi
NH9, Raikot Mahar, Utta
Lohaghat, Uttarakhand, India
Road to Chauri Rai Village, Rai Nagar, Loha
524, India

नुक्कड़ नाटक

फोर्ती ग्राम में जन जागरूकता के पश्चात् नमामि गंगे की पूरी टीम राईकोट कुँवर ग्राम की ओर रवाना हुई जहां ग्राम प्रधान श्रीमती सरोज देवी ने नमामि गंगे टीम का स्वागत किया। ग्रामवासियों के मध्य छात्र–छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। जन समूह ने बार–बार करतल ध्वनियों से छात्र–छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। राईकोट कुँवर ग्राम में डा0 प्रकाश लखेड़ा (असि0प्रो0 राजनीति विज्ञान) ने ग्रामीणों को संबोधित किया तथा जल संचय एवं जल की बर्बादी रोकने का आवाहन किया। यहां भी नमामि गंगे टी–शर्ट व कैप वितरित की गई।

इसके पश्चात् नमामि गंगे दल रायनगर चौड़ी ग्राम की ओर रवाना हुआ जहां ग्राम प्रधान श्री जितेन्द्र राय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। यहां भी नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति की गई। छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किये गये नुक्कड़ नाटक की ग्रामीणों द्वारा भूरि–भूरि प्रशंसा की गई। नमामि गंगे सदस्य डा0 अर्चना त्रिपाठी (असि0प्रो0 अर्थशास्त्र) ने अपने संबोधन में नमामि गंगे मिशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता ने बताया कि रायनगर चौड़ी नगर की मुख्य नदी लोहावती के किनारे बसा हुआ है। अतः रायनगर चौड़ी निवासी जल संरक्षण व स्वच्छता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस हेतु हम सभी को सामूहिक रूप से प्रयास करने होंगे। साथ ही भावी पीढ़ी को भी जल संचय व संरक्षण के उपाय बताने होंगे। व्यापार मंडल अध्यक्ष श्री भैरव दत्त राय तथा ग्राम प्रधान श्री जितेन्द्र राय ने नमामि गंगे दल का धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्राम के निवासियों को नमामि गंगे टी–शर्ट व कैप वितरित की गई।

जल बचाओ रैली एवं हस्ताक्षर अभियान

जब कोई प्रयास सामूहिक रूप से किया जाता हे तब उसका प्रभाव कई गुना होता है। इसी विचार को केन्द्र में रखते हुए महाविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता कार्यक्रम के अगले कदम के रूप में दिनांक 17 मार्च 2021 को प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता द्वारा महाविद्यालय के शिक्षण व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को नदियों व नौले–धारों को स्वच्छ तथा शहर को कूड़े–कचरे से मुक्त रखने हेतु शपथ दिलाई गई। शपथ–ग्रहण के पश्चात् प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता ने छात्र–छात्राओं से अपील की कि नमामि गंगे प्रोजेक्ट के अन्तर्गत चल रही योजनाओं को धरातल पर साकार करने हेतु पूर्ण मनोयोग से प्रयास करें।

इसके पश्चात् 'जल बचाओ रैली' को प्राचार्य ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नगर के सभी मुख्य मार्गों एवं वार्डों में छात्र–छात्राओं ने नारे लगाकर जनमानस का ध्यान आकर्षित किया। रैली में सम्मिलित छात्र–छात्राओं ने जल–संरक्षण एवं प्रदूषण–मुक्ति संबंधी नारे लिखी तख्तियों पकड़कर एक स्वर में जल उपयोगिता, जल संरक्षण व जल संचय पर नारे लगाये। नगर के मुख्य चौराहे पर छात्र–छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी जहां उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनियों से छात्र–छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। इस बीच बाजार में जन जागरूकता हेतु हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। हस्ताक्षर अभियान का मूल उद्देश्य यह रहा कि सभी नमामि गंगे मिशन के साथ एक जुड़ाव अनुभव करें जो इस कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक भी है।

जल बचाओ
रैली एवं
हस्ताक्षर
अभियान

रन
फॉर गंगा

दौड़ छात्र–छात्राओं के मध्य बहुत लोकप्रिय होती है। वस्तुतः दौड़ द्वारा जन सामान्य को आकर्षित करना एवं अपना संदेश प्रसारित करना एक सशक्त तरीका है। नमामि गंगे स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत अगले कदम के रूप में दिनांक 18 मार्च 2021 को 'रन फॉर गंगा' का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ करने के पश्चात् गंगा रन हेतु प्रतिभागियों को प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गंगा की स्वच्छता हेतु की जाने वाली गंगा रन में छात्र–छात्राओं के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकगण ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

रन फॉर गंगा

मिसाल

धरातल पर स्वच्छता

जल ही जीवन है। हम जल के बिना मानव जीवन की कल्पना तक नहीं कर सकते। मनुष्य चाँद से लेकर मंगल ग्रह की सतह तक पानी को खोजने की कवायद में लगा है ताकि वहां जीवन की संभावनायें तलाशी जा सकें। जल की उपयोगिता का वर्णन हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। प्राचीन सभ्यताएं भी नदियों के किनारे ही फलीं–फूलीं। लोहाघाट नगर भी लोहावती नदी के किनारे बसा हुआ है। लोहावती नदी पूरे नगर की जीवनदायिनी है। परन्तु दुःख का विषय है कि आज इस नदी का स्वरूप तमाम अशुद्धियों एवं प्रदूषित तत्वों के कारण विकृत हो गया है। नगर की जीवनदायिनी नदी यदि अशुद्ध हो रही है तो यह चिन्ता का विषय तो है ही, साथ ही एक प्रश्नचिन्ह हमारे ऊपर भी है। अपनी स्थानीय नदी को इस हाल में पहुंचाने के लिए हम ही उत्तरदायी हैं। लोहावती को स्वच्छ करने का संकल्प उठाते हुए दिनांक 19 मार्च 2021 को महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएं नगर पालिका के कर्मियों, समाजसेवियों तथा सेनानी श्री बसन्त नोगल, उप सेनानी श्री बरिदर सिंह, सूबेदार मेजर श्री अर्जुन सिंह तथा आई0टी0बी0पी0 के हिमवीरों को साथ ले लोहावती किनारे पहुँचे। एक वृहद स्वच्छता अभियान हेतु सबने एक साथ जोश व जुनून से सामूहिक प्रयास किया। अत्यन्त उत्साह एवं परिश्रमपूर्वक किये गये इस प्रयास से लोहावती नदी का स्वरूप किसी नवयौवना सुन्दरी की तरह निखर आया।

धरातल पर स्वच्छता

धरातल पर स्वच्छता

धरातल पर स्वच्छता

भूजल दिवस पर पौधारोपण

जल केवल मानव जाति के लिए ही नहीं, बल्कि जीव–जन्तुओं व पेड़–पौधों के लिए भी आवश्यक है। अत्यधिक दोहन के कारण भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है जो गंभीर चिन्ता का विषय है। भूमिगत स्त्रोतों के अत्यधिक दोहन से जल संकट की स्थिति भयावह होती जा रही है। भूजल स्तर के प्रति जागरूक करने हेतु 10 जून 2021 को छात्र–छात्राओं से पेड़–पौधे लगाने का आवाहन किया गया। कोविड–19 के कारण महाविद्यालय बन्द होने के कारण छात्र–छात्राओं द्वारा भूजल स्तर को बढ़ाने हेतु अपने घर तथा आस–पास के क्षेत्रों में पौधे लगाये गये। उनके द्वारा भेजे गये फोटोग्राफ्स को जल संरक्षण की उक्तियों के साथ सोशल मीडिया द्वारा प्रसारित किया गया।

भूजल दिवस पर पौधारोपण

जल संरक्षण पर ऑनलाइन मंथन

कोविड–19 ने विश्व भर की आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक स्थितियों पर गंभीर प्रभाव डाला है। कोविड–19 ने विकास के रथ के पहिए को थाम कर उसकी गति को धीमा कर दिया। कोरोना वायरस के कारण अनेक कार्य प्रभावित हुए तथा कार्य संपादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इन विषम हालातों में भी प्रबल इच्छाशक्ति के चलते महाविद्यालय द्वारा नमामि गंगे प्रोजेक्ट के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्य जारी रहे। इस क्रम में दिनांक 20 जून 2021 को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पर्यावरण प्रेमी श्री चन्दन सिंह नयाल उपस्थित रहे। अपने पर्यावरण संबंधी कार्यों के चलते श्री चन्दन सिंह नयाल को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। श्री नयाल ने अपने संबोधन में बताया कि पहाड़ों में बारिश के पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इसके लिए चालखाल पोखर बनाये जाने चाहिए। जंगलों को अग्नि से बचाने हेतु चीड़ कम करके बुरांश, बाज आदि के पौधों का रोपण होना चाहिए। अब तक 50,000 से भी ज्यादा पेड़ लगा चुके श्री चन्दन सिंह नयाल अपने शरीर का दान मेडीकल कॉलेज, हल्द्वानी में कर चुके हैं ताकि अंतिम संस्कार में वृक्ष की लकड़ियों का उपयोग न हो।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता द्वारा की गयी। डा0 संगीता गुप्ता ने श्री चन्दन नयाल द्वारा किये जाने वाले प्रयासों की सराहना करते हुए चालखाल की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाकर हम एक साथ कई समस्याओं से निपट सकते हैं।

नोडल अधिकारी डा0 सुमन पाण्ड्ेय (असि0प्रो0 भूगोल) ने पहाड़ों में तेजी से बढ़ रहे कंक्रीट जंगलों के विकास पर सवाल उठाये और सन्तुलित विकास पर बल दिया। ऑनलाइन संगोष्ठी का संचालन डा0 अर्चना त्रिपाठी (असि0प्रो0 अर्थशास्त्र) द्वारा किया गया।

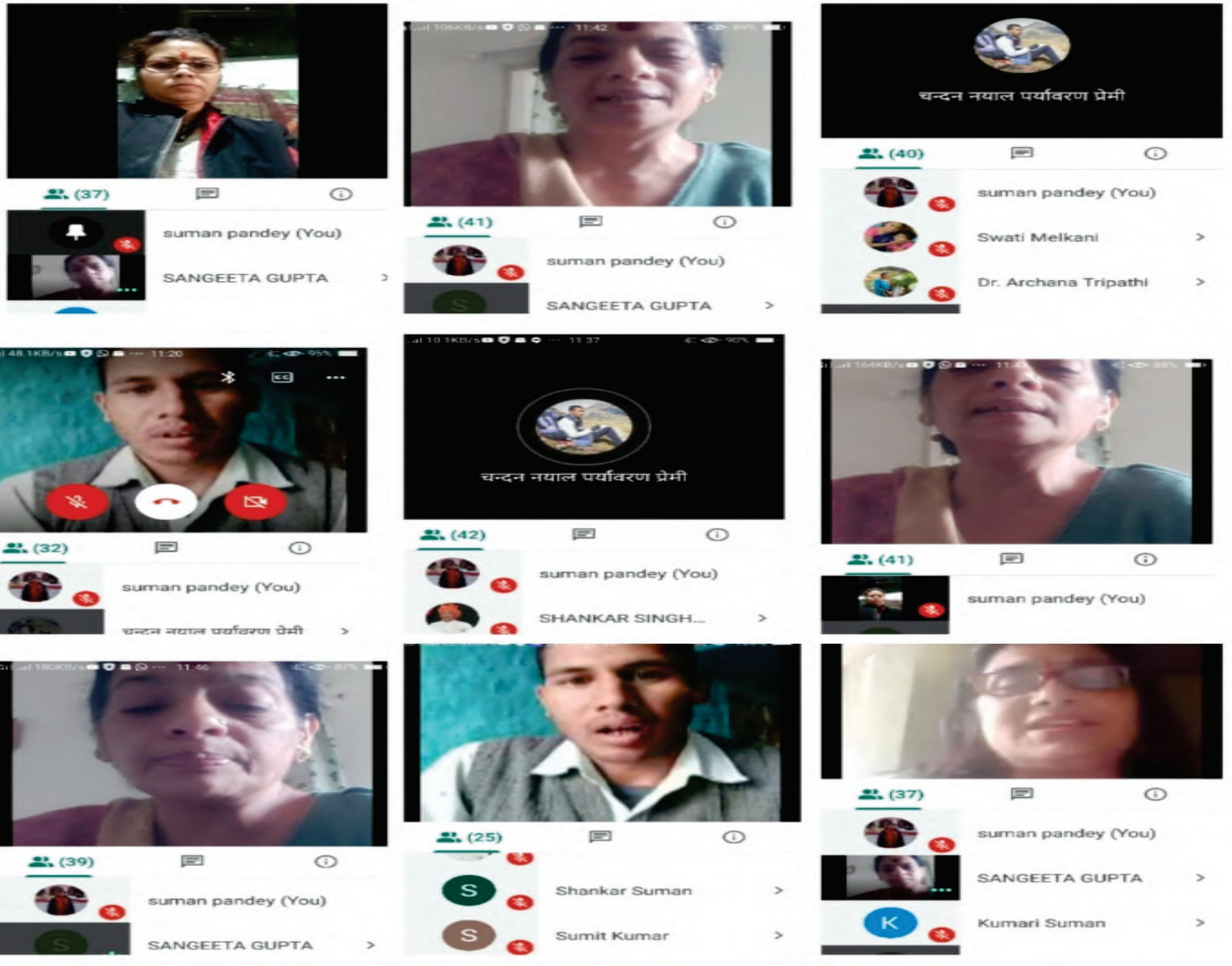
(37)
suman pandey (You)
SANGEETA GUPTA
(41)
suman pandey (You)
SANGEETA GUPTA
चन्दन नयाल पर्यावरण प्रेमी
(40)
suman pandey (You)
Swati Melkani
Dr. Archana Tripathi
(32)
suman pandey (You)
चन्दन नयाल पर्यावरण प्रेमी
चन्दन नयाल पर्यावरण प्रेमी
(42)
suman pandey (You)
SHANKAR SINGH...
(41)
suman pandey (You)
(39)
suman pandey (You)
SANGEETA GUPTA
(25)
Shankar Suman
Sumit Kumar
(37)
suman pandey (You)
SANGEETA GUPTA
Kumari Suman

❋ जल के महत्व पर ऑनलाइन क्विज ❋

गंगा दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। नमामि गंगे प्रोजेक्ट के अंतर्गत चल रही कार्यक्रम श्रृंखला को जारी रखते हुए कोविड–19 के कारण महाविद्यालय बन्द होने पर गूगल फॉर्म द्वारा छात्र–छात्राओं के मध्य ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया और शानदार प्रदर्शन किया गया। सर्वोच्च तीन स्थानों पर आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।